

न्यायालय अतिरिक्त जिला कलक्टर, पाली
पीठासीन अधिकारी : श्री भागीरथ बिश्नोई, आर.ए.एस.

पंचायत निगरानी संख्या : 19/2017

प्रार्थी:-	बनाम	अप्रार्थीगण :-
मदनसिंह पुत्र जोरसिंह जाति राजपूत निवासी छोटी दूदनी		1 खेताराम पुत्र सवाजी जाति रेबारी निवासी छोटी दूदनी 2 ग्राम पंचायत दूदनी जरिये सरपंच ग्राम पंचायत दूदनी तहसील बाली 3 ग्रुप सचिव, ग्राम पंचायत दूदनी तहसील बाली

पंचायत निगरानी अन्तर्गत धारा 97 राजस्थान पंचायती राज अधिनियम 1994
उपस्थित :-

1. श्री यशपालसिंह, विद्वान अभिभाषक प्रार्थी
2. श्री मोहम्मद शरीफ काजी, विद्वान अभिभाषक अप्रार्थी संख्या 1

—: निर्णय :-

दिनांक 19.12.2017

प्रार्थी ने यह निगरानी अन्तर्गत धारा 97 राज. पंचायती राज अधिनियम 1994 के ग्राम पंचायत दूदनी द्वारा मिसल संख्या 03/2011-2012 में पारित प्रस्ताव संख्या 8 दिनांक 05.02.2013 एवं उसकी पालना में जारी पट्टा संख्या 15 दिनांक 12.02.2013 के विरुद्ध पेश की गई। निगरानी दर्ज रजिस्टर कर अप्रार्थीगणों को जरिये नोटिस तलब किया गया तथा अधीनस्थ न्यायालय का रिकॉर्ड तलब किया गया। उभयपक्ष अभिभाषकगण की बहस सुनी गई।

विद्वान अभिभाषक प्रार्थी ने अपनी बहस में निगरानी में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए कथन किया कि ग्राम छोटी दूदनी में प्रार्थी का पुश्तैनी कदीमी कब्जासुदा भूखण्ड आया हुआ स्थित है, उक्त भूखण्ड पर प्रार्थी के पिता जोरसिंह का सन् 1970 से कब्जा था। ग्राम पंचायत द्वारा प्रार्थी का उक्त भूखण्ड पर पैतृक कब्जा होने के बावजूद भी अप्रार्थी संख्या 1 द्वारा दिनांक 06.04.2011 को तत्कालीन सरपंच के समक्ष एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया कि उक्त भूखण्ड उसका पुश्तैनी है तथा इसके अलावा उनके पास कोई भूखण्ड अथवा पुश्तैनी मकान या बाड़ा नहीं है, अतः पट्टा जारी कराने का निवेदन किया। जबकि अप्रार्थी संख्या 1 का पक्का मकान रेबारियों के बास में मौजूद है, जिसमें अप्रार्थी संख्या 1 का आज भी रहवास है। ग्राम पंचायत दूदनी द्वारा उक्त पट्टा संख्या 16 अप्रार्थी संख्या 1 के पक्ष में रियायती दर पर आवंटन किया गया है, जो पंचायती राज नियमों के विपरित है। रेस्पॉडेन्ट संख्या 1 रियायती दर पर अथवा निःशुल्क पट्टा प्राप्त करने का अधिकारी नहीं है, क्योंकि उसके ग्राम छोटी दूदनी में मकान व पुश्तैनी बाड़ा, कृषि भूमि, बेरा आदि है एवं वह धनाढ्य व्यक्ति है। अप्रार्थी संख्या 1 द्वारा अपने प्रार्थना पत्र में जो पडोस अंकित किये हैं, वह पट्टे में अंकित पडोस से मिलान नहीं करते हैं। तीन वार्ड पंचों को मौका निरीक्षण हेतु मनोनीत ही नहीं किया, मौका निरीक्षण प्रपत्र पर मात्र एक वार्ड पंच के हस्ताक्षर हैं तथा किस दिनांक को मौका निरीक्षण



श्री. विद्या कलक्टर, पाली

किया गया, अंकित नहीं है। सम्पूर्ण प्रक्रिया एक ही दिन में, एक ही व्यक्ति द्वारा सम्पादित की गई है। इस प्रकार ग्राम पंचायत द्वारा पंचायत नियमों में विहित प्रक्रिया का दुरुपयोग करते हुए अप्रार्थी संख्या 1 के पक्ष में जैर निगरानी आज्ञा एवं उसकी पालना में पट्टा जारी किया गया है। अतः निगरानी स्वीकार करावे एवं अप्रार्थी संख्या 1 के पक्ष में जैर निगरानी आज्ञा एवं उसकी पालना में पट्टे को अपास्त करावे।

विद्वान अभिभाषक अप्रार्थी ने अपनी बहस में कथन किया कि प्रार्थी द्वारा इस निगरानी के जरिये मात्र पट्टा निरस्त कराने का अनुतोष चाहा है। निगरानी में किसी भी रूप में प्रस्ताव को चुनौती नहीं दी है। इस कारण निगरानी पोषणीय नहीं है। ग्राम पंचायत द्वारा अप्रार्थी संख्या 1 के पक्ष में जो पट्टा जारी किया गया है, उसका पंजीयन हो चुका है तथा पंजीबद्ध दस्तावेज को निरस्त करने के अधिकार इस न्यायालय को न होकर सिविल न्यायालय को होने से पत्रावली इस न्यायालय के श्रवणाधिकार एवं क्षेत्राधिकार की नहीं है। प्रार्थी द्वारा उक्त पट्टा रियायती दर जारी नहीं किया गया है, जबकि बाजार मूल्य पर पट्टा जारी किया गया है। ग्राम पंचायत द्वारा जैर निगरानी आज्ञा एवं उसकी पालना में जो पट्टा जारी किया गया है, उसमें पंचायती राज नियमों में विहित प्रक्रिया की पूर्णतः पालना की गई है। अतः निगरानी खारिज योग्य होने से खारिज की जावे।

उभयपक्ष अभिभाषकगण की बहस पर मनन किया तथा पत्रावली पर उपलब्ध अभिलेख का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। प्रार्थी द्वारा यह निगरानी ग्राम पंचायत दूदनी द्वारा मिसल संख्या 03/2011-2012 में पारित प्रस्ताव संख्या 8 दिनांक 05.02.2013 एवं उसकी पालना में जारी पट्टा संख्या 16 दिनांक 12.02.2013 के विरुद्ध पेश की गई है। जैर निगरानी पट्टे की मिसल का अवलोकन करने पर यह प्रकट होता है कि अप्रार्थी संख्या 1 ने सरपंच ग्राम पंचायत दूदनी के समक्ष प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर अपने पुश्तैनी प्लॉट का पट्टा बनाने का निवेदन किया। इस प्रार्थना पत्र पर ग्राम पंचायत दूदनी द्वारा दिनांक 06.04.2011 को मिसल दर्ज करने की स्वीकृति दी गई। इसके पश्चात दिनांक 20.12.2012 को सचिव को नक्शा बनाकर तथा तीन वार्ड पंचों को मौका निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट पंचायत की आगामी बैठक में प्रस्तुत करने का आदेश पारित किया। इस आदेश की पालना में जो नक्शा तैयार कर पत्रावली के संलग्न किया गया है, उस पर ग्राम सेवक एवं पदेन सचिव के हस्ताक्षर हैं। जो निरीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत हुई है, उस पर मात्र एक पंच धनाराम के हस्ताक्षर हैं, इसके अतिरिक्त सम्पूर्ण प्रपत्र पर किसी प्रकार की टिप्पणी अंकित नहीं की एवं मात्र रिपोर्ट पर हस्ताक्षर कर अग्रेसित की है। रेकॉर्ड का अवलोकन करने पर स्थिति भिन्न पाई जाती है। जिस आदेश की पालना में मौका निरीक्षण करने एवं नक्शा तैयार करने के आदेश जारी करना अंकित किया है, बैठक कार्यवाही विवरण के अनुसार हस्तगत मिसल में यह आदेश जारी ही नहीं किये गए। इस प्रकार बिना कोरम के प्रस्ताव उक्त कार्यवाही की गई है। इसके पश्चात मिसल दिनांक 05.01.2013 को प्रस्तुत होना अंकित करते हुए सात दिन का आपत्ति इशतिहार जारी करने का निर्णय लिया जाना अंकित किया, किन्तु बैठक कार्यवाही विवरण से यह निर्णय भी मिलान नहीं करता है। इसके पश्चात दिनांक 21.01.2013 को नियत समयावधि में किसी प्रकार की आपत्ति प्राप्त नहीं होने के कारण अपने कब्जे के समर्थन में दो गवाहों के बयान कलमबद्ध कराने के आदेश पारित किये गए। इसके पश्चात दिनांक 05.02.2013 को जैर अपील आज्ञा पारित करते हुए



राज्य
राज्य
राज्य

4 : पंचायत निगरानी संख्या 19/2017 मदनसिंह बनाम हरताराम वगैरा

को अपास्त किया जाता है। इस निर्णय की प्रमाणित प्रतिलिपी के साथ ग्राम पंचायत का रिकॉर्ड लौटाया जावे।



निर्णय आज दिनांक 19.12.2017 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर बाद हस्ताक्षर कर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(भागीरथ बिश्नोई)
अति. जिला कलेक्टर, पाली

(भागीरथ बिश्नोई)
अति. जिला कलेक्टर, पाली